S–2058

Total Page No. : 3] [Roll No. ....

M.A. II Semester Examination, 2023–24

संस्कृत

Paper : I

(महाकाव्य)

Time : 2 : 30 Hours] [Max. Marks : 80

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक से किन्हीं **चार-चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड-'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5=20**

1. रघुवंशीय राजाओं का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
2. नैषधीयचरित् महाकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु को प्रतिपादित कीजिए।
3. "तावद् भा भाखेर्भति यावन् माघस्य नोदयः।
   उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारविः"॥
   उक्त को समझाइए।

4. रघुवंशमहाकाव्य के प्रथमसर्ग की कथावस्तु को प्रतिपादित कीजिए।
5. "काव्य" को लक्षणसहित सभेद प्रतिपादित कीजिए।
6. "उपमा कालिदासस्य" उक्ति को समझाइए।
7. राजा दिलीप द्वारा नन्दनीगाय की सेवावृत्तान्त पर प्रकाश डालिए।
8. नल-दमयन्ती के प्रणय कथा पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए।

खण्ड-'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **4×15=60**

9. महाकवि कालिदास के जीवन वृत्त एवं कृतियों पर विस्तृत प्रकाश डालिए।
10. निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए—
    "क्व ? सूर्य प्रभवों वंशः क्व ? चाप्लविषया मतिः।
    तिर्तीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्"॥
11. श्री हर्ष के जीवन चरित्र एवं काव्य सौष्ठव को प्रतिपादित कीजिए।
12. निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ विस्तृत व्याख्या कीजिए—
    "रसैः कथा यस्य सुधावधीरणी
    नलः स भूजनिरमृद् गुणाद्भुतः।
    सुवर्णदण्डैकसितातपत्रित
    ज्वलप्रतापावलि-कीर्तिमण्डलः॥
13. नैषधीयचरितम् महाकाव्य के नामक राजानल के जीवन चरित्र को विस्तार से प्रतिपादित कीजिए।

14. निम्न श्लोक को सन्दर्भ सहित प्रतिपादित कीजिए एवं व्याख्या कीजिए–

''त्यागय संभृतार्थानां सत्याय मितभाषिणाम्।

यशसे विजिगीषूणां प्रजायै गृहमेधिनाम्''॥

15. संस्कृत महाकाव्य के इतिहास में बृहत्त्रयी महाकाव्यों पर प्रकाश डालिए।

16. ''नैषधं विद्वदौषधम्'' उक्ति की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

****